करेंट अफेयर्स 1 सितंबर 2022

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022: 1 से 7 सितंबर

भारत में हर साल सितंबर के पहले सप्ताह को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। यह सप्ताह हर साल 1 से 7 सितंबर तक मनाया जाता है। इस सप्ताह का उद्देश्य स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के लिए स्वस्थ भोजन प्रथाओं और उचित पोषण के मूल्य के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाना है। सरकार इस पूरे सप्ताह पोषण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम शुरू करती है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022: थीम

इस वर्ष का विषय "फ्लेवर की दुनिया" है। हर साल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के हिस्से के रूप में, सरकार एक विशेष विषय भी पेश करती है जो मुख्य रूप से उस वर्ष के विषय पर केंद्रित है। पिछले साल, सरकार ने सप्ताह के लिए इस थीम की घोषणा की - शुरू से ही स्मार्ट खिलाना।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022: महत्व

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन के बारे में शिक्षित करने के लिए मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय का खाद्य और पोषण बोर्ड इस बुनियादी घटना के बारे में लोगों को सूचित करने के लिए राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के वार्षिक सप्ताह भर के उत्सव का आयोजन करता है। मानव शरीर में स्वस्थ आहार के महत्व और भूमिका पर जोर दिया जाता है। स्वस्थ विकास और कार्य के लिए आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार आवश्यक है। भारत सरकार ने ऐसे कार्यक्रम शुरू किए हैं जो अच्छे पोषण, पौष्टिक भोजन और स्वस्थ जीवन शैली पर जोर देते हैं।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह: इतिहास

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की स्थापना 1975 में अमेरिकन डायटेटिक एसोसिएशन (एडीए) के सदस्यों द्वारा की गई थी, जिसे अब पोषण और आहार विज्ञान अकादमी के रूप में जाना जाता है। इस सप्ताह को अच्छे पोषण के मूल्य और सक्रिय जीवन शैली की आवश्यकता के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए अलग रखा गया था। जनता से सकारात्मक स्वागत के कारण, 1980 में इस सप्ताह का उत्सव पूरे एक महीने तक खिंच गया। उस दौर में भारत में ज्यादातर लोग कुपोषण की समस्या से जूझ रहे थे। 1982 में भारत में पहली बार राष्ट्रीय पोषण सप्ताह शुरू किया गया था।

सूबेदार मेजर यादव द्वारा लिखित आत्मकथा "द हीरो ऑफ टाइगर हिल"

आत्मकथा **'द हीरो ऑफ टाइगर हिल: ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए परमवीर'** 1999 के कारगिल संघर्ष में उनके कार्यों के लिए 19 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र (पीवीसी) पुरस्कार विजेता **सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव (सेवानिवृत्त)** की प्रेरणादायक कहानी के बारे में है। यह आत्मकथा **सृष्टि पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा प्रकाशित की गई है।**

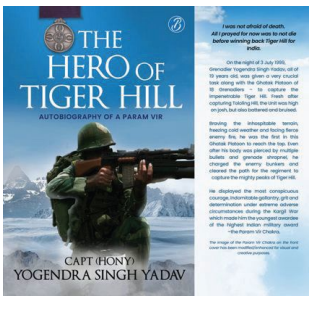

किताब के बारे में

सूबेदार मेजर यादव का उनके बारे में लिखित में विचार तब शुरू हुआ जब उन्हें भारत के शीर्ष कॉलेजों में आमंत्रित किया गया, उन्होंने देखा कि उनके सरल लेकिन ईमानदार उत्तरों ने युवा छात्रों पर बहुत प्रभाव डाला। आत्मकथा लिखने का उनका उद्देश्य भारत के युवाओं को प्रेरित करना और देशभक्ति की भावना पैदा करना है। पुस्तक मुख्य रूप से **3 जुलाई, 1999** की रात पर केंद्रित थी, 19 वर्षीय यादव को टाइगर हिल पर कब्जा करने के लिए 18 ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट की घातक प्लाटून के साथ एक महत्वपूर्ण कार्य दिया गया था।

ला निना शर्तें तीसरे वर्ष में प्रवेश करती हैं, 1950 के बाद से छठी बार

जिसे एक असामान्य घटना कहा जा सकता है, सितंबर 2020 से भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर प्रचलित **ला निना स्थितियां** तीसरे वर्ष में प्रवेश कर गई हैं। **भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से पता चलता** है कि 1950 के दशक के बाद से ला निना के दो साल से अधिक समय तक चलने के केवल छह उदाहरण हैं.

ला निना तब होता है जब मध्य और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के साथ समुद्र की सतह का तापमान (एसएसटी) सामान्य से अधिक ठंडा होता है, जो विशेषज्ञों का कहना है, भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के पक्ष में है। हालांकि, ला नीना वर्ष अटलांटिक महासागर और बंगाल की खाड़ी में लगातार और तीव्र तूफान और चक्रवातों के लिए भी कुख्यात हैं।

ला नीना के बारे में

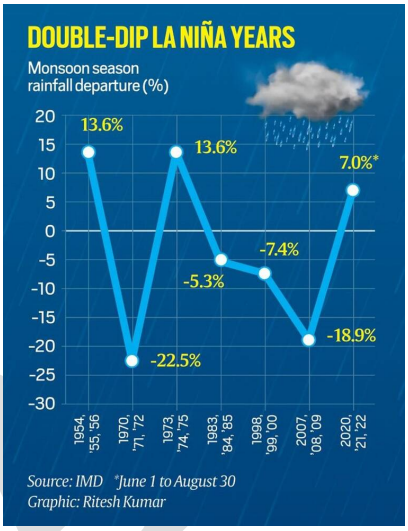

ला नीना (छोटी लड़की के रूप में जाना जाता है) एक मौसम पैटर्न है जो प्रशांत महासागर में होता है। यह तब देखा जाता है जब पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत (ईईपी) में समुद्र की सतह का तापमान (एसएसटी) सामान्य से तुलनात्मक रूप से ठंडा हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप ईईपी (यानी दक्षिण अमेरिका के उष्णकटिबंधीय पश्चिमी तट) पर एक मजबूत उच्च दबाव होता है। यह एल नीनो (छोटे लड़के या क्राइस्ट चाइल्ड के रूप में जाना जाता है) के समकक्ष है, जो ईईपी में असामान्य रूप से गर्म एसएसटी की विशेषता है और दबे हुए मानसून का कारण बनता है। साथ में, ला नीना और अल नीनो अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) के "ठंडे" और "गर्म" चरण हैं, जिसमें पूर्वी और मध्य प्रशांत महासागर के पानी में तापमान परिवर्तन शामिल है। आमतौर पर, अल नीनो और ला नीना हर 4 -5 साल में होते हैं। अल नीनो ला नीना की तुलना में अधिक बार होता है।

ला नीना का प्रभाव

भारत में मानसून की बेहतर बारिश। अटलांटिक महासागर और बंगाल की खाड़ी में लगातार और तीव्र तूफान और चक्रवात। पेरू और इक्वाडोर में सूखा, ऑस्ट्रेलिया में भारी बाढ़, पश्चिमी प्रशांत, हिंद महासागर, सोमालियाई तट पर उच्च तापमान का कारण बनता है।

मोबाइल बैंकिंग के लिए साइबर खतरा

खबरों में क्यों?

हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, अधिक लोग डिजिटल भुगतान की ओर झुक रहे हैं और उनके स्मार्टफोन के माध्यम से उनके बैंक या बैंक खातों के साथ लोगों की बातचीत की संख्या में वृद्धि हुई है।

§ इसके अलावा, यह त्वरण अपने साथ एक भेद्यता लाता है: मोबाइल उपकरणों पर साइबर हमलों का खतरा बढ़ जाता है।

साइबर खतरे क्या हैं?

§ **करीबन:**

साइबर या साइबर सुरक्षा खतरा एक दुर्भावनापूर्ण कार्य है जो डेटा को नुकसान पहुंचाना, डेटा चोरी करना या सामान्य रूप से डिजिटल जीवन को बाधित करना चाहता है। इसमें कंप्यूटर वायरस, डेटा ब्रीच, डेनियल ऑफ सर्विस (डीओएस) हमले और अन्य हमले वैक्टर शामिल हैं।

§ **विभिन्न प्रकार:**

मैलवेयर: दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर के लिए मैलवेयर शॉर्ट किसी भी प्रकार के सॉफ़्टवेयर को संदर्भित करता है जो किसी एकल कंप्यूटर, सर्वर या कंप्यूटर नेटवर्क को नुकसान पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रैंसमवेयर, स्पाई वेयर, वर्म्स, वायरस और ट्रोजन सभी मैलवेयर की किस्में हैं।

फ़िशिंग: यह भ्रामक ई-मेल और वेबसाइटों का उपयोग करके व्यक्तिगत जानकारी इकट्ठा करने की कोशिश करने का एक तरीका है।

सेवा हमलों से इनकार: एक इनकार-सेवा (डीओएस) हमला एक मशीन या नेटवर्क को बंद करने के लिए एक हमला है, जिससे यह अपने इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए दुर्गम हो जाता है। डॉस हमले यातायात के साथ लक्ष्य को बाढ़ करके, या इसे ऐसी जानकारी भेजकर पूरा करते हैं जो दुर्घटना को ट्रिगर करता है।

- ओ मैन-इन-द-मिडिल (एमआईटीएम) हमले, जिसे ईव्सड्रॉपिंग हमलों के रूप में भी जाना जाता है, तब होते हैं जब हमलावर खुद को दो-पक्षीय लेनदेन में सम्मिलित करते हैं। एक बार जब हमलावर ट्रैफिक को बाधित करते हैं, तो वे डेटा को फ़िल्टर और चोरी कर सकते हैं।
- ओ सोशल इंजीनियरिंग एक ऐसा हमला है जो आमतौर पर संरक्षित संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं को सुरक्षा प्रक्रियाओं को तोड़ने के लिए मानव संपर्क पर निर्भर करता है।

मोबाइल बैंकिंग पर साइबर खतरों के मुद्दे क्या हैं?

§ **बढ़ते साइबर हमले:**

साइबर सुरक्षा फर्म कैस्परस्की के एक अध्ययन में एशिया प्रशांत (एपीएसी) में एंड्रॉइड और आईओएस उपकरणों पर साइबर हमलों में वृद्धि की चेतावनी दी गई है क्योंकि अधिक लोग इस क्षेत्र में मोबाइल बैंकिंग पर स्विच करते हैं।

ओ **ट्रोजन और मैलवेयर का उपयोग:**

- कैस्परस्की के अनुसार, मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन खतरनाक मैलवेयर है जो दुर्भावनापूर्ण एप्लिकेशन को एक वैध ऐप के रूप में प्रच्छन्न करके मोबाइल उपयोगकर्ताओं के बैंक खातों से पैसे चुरा सकता है ताकि अनजान लोगों को मैलवेयर इंस्टॉल करने के लिए लुभाया जा सके।
- उदाहरण के लिए, मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन, जिसे अनुबिस कहा जाता है, 2017 से एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं को लक्षित कर रहा है।
  - इसके अलावा, इसके विश्वव्यापी अभियानों ने रूस, तुर्की, भारत, चीन, कोलंबिया, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका, डेनमार्क और वियतनाम में उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया है।

ओ **पद्धति:**

- अपराधी गूगल प्ले पर वैध दिखने वाले और उच्च रैंकिंग वाले दुर्भावनापूर्ण ऐप, स्मिशिंग (एसएमएस के माध्यम से भेजे गए फ़िशिंग संदेश), और बियानलियन मैलवेयर, एक अन्य मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन के माध्यम से डिवाइस को संक्रमित करते हैं।
  - रोमिंग मंटिस मोबाइल बैंकिंग उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने वाला एक और विपुल मैलवेयर है।
  - समूह एंड्रॉइड उपकरणों पर हमला करता है और स्मिशिंग कारनामों के माध्यम से डोमेन नाम सिस्टम (डीएनएस) का अपहरण करके दुर्भावनापूर्ण कोड फैलाता है।

§ **इंटरऑपरेबिलिटी मुद्दा:**

चूंकि गूगल पे, पेटीएम, फोनपे, स्क्वायर, PayPal और अलीपे जैसे विभिन्न भुगतान प्लेटफार्मों ने मोबाइल बैंकिंग को अपनाकर उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव से लाभउठाया है।

- नतीजतन, उन्होंने अपने लाभ के लिए भुगतान खेल को स्थायी रूप से बदल दिया है।

बंद लूप भुगतान प्रणाली:

- ये प्लेटफॉर्म क्लोज्ड लूप पेमेंट वर्ल्ड में काम कर रहे हैं जहां गूगल पे यूजर केवल सर्च दिग्गज के पेमेंट प्लेटफॉर्म के जरिए दूसरे बैंक अकाउंट में पैसे भेज सकता है।
  - यह वीजा और मास्टरकार्ड के संचालन के समान है क्योंकि वे भुगतान लेनदेन को केवल अपने नेटवर्क के भीतर होने देते हैं, एक दूसरे के बीच नहीं।

व्यापार मॉडल में परिवर्तन:

- यह आंशिक रूप से नियामकों द्वारा संचालित होता है जो खुले, मानकीकृत प्लेटफार्मों को पसंद करते हैं जो प्रवेश के लिए बाधाओं को कम करते हैं।
- कुछ देश पहले से ही भुगतान मंच प्रदाताओं को अपने व्यापार मॉडल को बदल रहे हैं।

- उदाहरण के लिए, चीन ने अपनी इंटरनेट कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिद्वंद्वी फर्मों को लिंक और भुगतान सेवाएं प्रदान करने का आदेश दिया है।
- भारत में, एक नया कानून मांग करता है कि सभी लाइसेंस प्राप्त मोबाइल भुगतान प्लेटफ़ॉर्म वॉलेट के बीच इंटरऑपरेबिलिटी प्रदान करने में सक्षम हों।

- नियामकों की ओर से भुगतान प्लेटफार्मों को इंटरऑपरेबल बनाने पर जोर ऐसे समय में आया है जब तकनीकी विशेषज्ञों की मांग बैंकिंग उद्योग में एक गंभीर चिंता का विषय है।

§ **सुरक्षा विशेषज्ञों की कमी:**

o बैंकों द्वारा अपनी डिजिटल आकांक्षाओं को साकार करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, डेटा और सुरक्षा विशेषज्ञों की कमी एक बहुत व्यापक समस्या को छिपाने की प्रवृत्ति रखती है: सभी प्रकार की प्रतिभाओं के पहली पसंद नियोक्ता के रूप में बैंकों की अपील फीकी पड़ गई है।

§ **पर्याप्त साइबर सुरक्षा नीति का अभाव:**

o पर्याप्त साइबर सुरक्षा की कमी और बैंकिंग में प्रतिभा की कमी संभावित रूप से उपयोगकर्ता उपकरणों पर साइबर हमलों में और वृद्धि का कारण बन सकती है।

- और जब तक यह बेमेल ठीक नहीं हो जाता है, तब तक भुगतान करने के लिए मोबाइल डिवाइस का उपयोग करते समय सावधान और बेहद सतर्क रहने में मदद मिलती है।

आगे का रास्ता

§ डिजिटल स्वच्छता का सामान्य अभ्यास जैसे फोन को अप-टू-डेट रखना और नियमित रूप से रिबूट करना।

§ इसके अलावा, उपभोक्ता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे बैंकिंग के लिए अपने फोन का उपयोग केवल तभी करें जब डिवाइस एक सुरक्षित वीपीएन से जुड़ा हो (वीपीएन "वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क" के लिए खड़ा है और सार्वजनिक नेटवर्क का उपयोग करते समय एक संरक्षित नेटवर्क कनेक्शन स्थापित करने के अवसर का वर्णन करता है) और आईओएस 16 उपयोगकर्ता लॉकडाउन मोड को चालू कर सकते हैं क्योंकि यह डिवाइस की कार्यक्षमता को सीमित करता है और इसे किसी भी संभावित मैलवेयर से बचाता है।

RACE IAS